स्वदेश

इंदौर - मुख्य संस्करण

14 Apr 2023

जिसके हृदय में भगवान, उसे हर कण कण में होते हैं दर्शन- वंदना श्रीजी

स्वदेश समाचार ■ इंदौर

हर व्यक्ति अपने बच्चो को अच्छे संस्कार दे, उन्हें संस्कारित करे, बच्चों को मंदिर ले जाए भगवान के दर्शन कराए, बच्चो को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं, उससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति जाग्रत होगी। हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीना चाहिए, मंदिरों में मूर्ति नही स्वयं भगवान विराजते है, जिसके हृदय में भगवान होते है उसी को भगवान के दर्शन होते है, उसे हर कण कण में भगवान दिखते है, भगवान के नाम में आनंद ही आनंद है।

यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पहले दिन कही। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल ने बताया कि सात श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा

की शुरुआत में व्यासपीठ का पूजन कथा के संरक्षक विधायक रमेश मेंदोला ने किया। कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया।

कल मनाएंगे मैथिल नववर्ष जुड़ शीतल

इंदौर। शहर के मैथिल समाज के लोग 15 अप्रैल को मैथिल नववर्ष जुड़ शीतल मनाएंगे। पर्व के पहले दिन 14 अप्रैल को सतुआइन मनाया जाएगा। जुड़ शीतल त्योहार मैथिल परिवार की महिलाएं एक दिन पूर्व संध्या या रात्रि में यानि सतुआइन के दिन बडि-भात, सहिजन की सब्जी, आम की चटनी बनाती है। शहर के मैथिल समाज के वरिष्ठ केके झा के अनुसार, जुड़ शीतल के दिन घर के बड़े बुजुर्ग अपने से छोटे उम्र के सदस्यों के माथे पर बासी जल डालकर जुड़ायल रहु (उन्हें शीतल रहने तथा फैलने फूलने का) आशीर्वाद देते हैं।